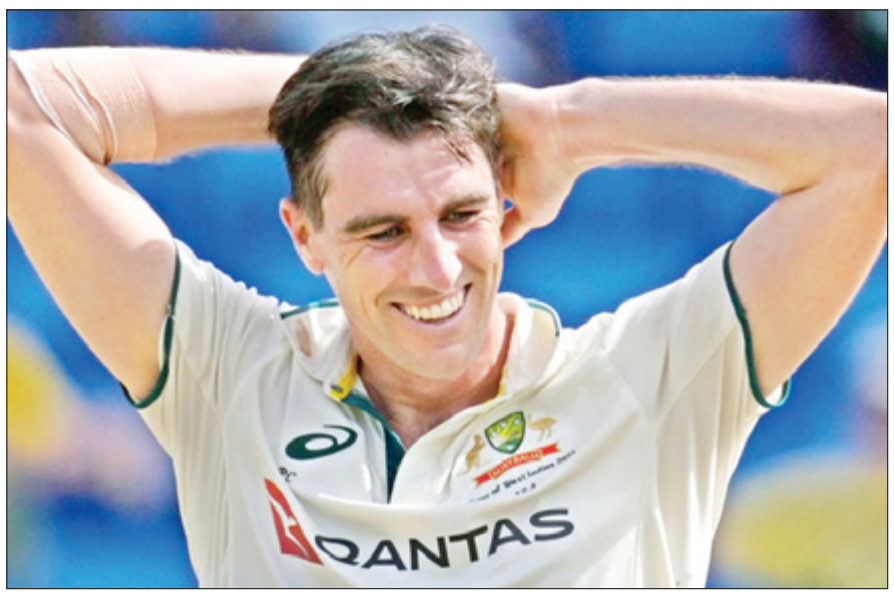

सैंडपेपर गेट विवाद के बाद दक्षिण अफ्रीका में आस्ट्रेलिया की पहली टेस्ट सीरीज

नई दिल्ली

आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम का दक्षिण अफ्रीका दौरा 24 सितंबर से शुरू हो रहा है, जिसमें तीन वनडे और तीन टेस्ट मैच खेले जाएंगे। यह दौरा 2018 के बहुचर्चित सैंडपेपर गेट विवाद के बाद आस्ट्रेलिया का दक्षिण अफ्रीका में पहला टेस्ट सीरीज दौरा है। इस पृष्ठभूमि में, आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस का मानना है कि इस दौरे पर उनकी टीम को कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। कमिंस ने कीपिन इट क्रिकेट पाडकास्ट के दौरान कहा, टेस्ट सीरीज के दौरान थोड़ी दुश्मनी हो सकती है।

कप्तान पैट कमिंस को मुश्किलों का अनुमान

लेकिन यह एशेज सीरीज से ज्यादा शोरगुल वाला नहीं हो सकता, जैसे बर्मिंघम के एजबेस्टन का हालीज स्टैंड बहुत शोरगुल वाला हो जाता है।

दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट खेलने के अपने अनुभव पर पैट कमिंस ने कहा कि दर्शक दीर्घा के कुछ हिस्से अक्सर उग्र हो जाते हैं, लेकिन उन्होंने यह सब पहले भी देखा है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि एक कप्तान के तौर पर वह मैदान के बीच में रहेंगे और सीधे दर्शकों के संपर्क में नहीं आएंगे। कमिंस ने विश्वास व्यक्त किया कि अब तक वह विवाद शांत हो गया होगा और उनकी टीम का पूरा ध्यान क्रिकेट पर रहेगा।

उन्होंने कहा, हर कोई आगे बढ़ जाता है। अच्छी बात यह है कि तीन टेस्ट मैचों में, आप क्रिकेट में पूरी तरह से फंस जाते हैं, और हर कोई बहुत जल्दी क्रिकेट के बारे में चिंता करने लगता है। मुझे यकीन है कि भीड़ में कुछ गुस्सैल लोग होंगे, और कुछ लेख या मीडिया में ऐसी बातें सामने आएंगी, लेकिन हमारा समूह आगे बढ़ गया है।

2018 में हुए बाल-टैम्परिंग (गेंद से छेड़छाड़) के मुद्दे ने आस्ट्रेलियाई क्रिकेट को गंभीर संकट में डाल दिया था, जिसके बाद स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर पर एक साल का और कैमरन बैनक्राफ्ट पर नौ महीने का प्रतिबंध लगा था। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिहाज से आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दोनों ही टीमों के लिए यह सीरीज बेहद अहम है। यह टेस्ट सीरीज अपने ऐतिहासिक संदर्भ और दोनों टीमों की मौजूदा स्थिति के कारण बेहद रोमांचक होने वाली है और दुनियाभर के क्रिकेट प्रशंसकों की इस पर खास नजर रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

लियोनेल मेसी की अर्जेंटीना टीम में वापसी, 6 अक्टूबर को होगा विदाई मुकाबला

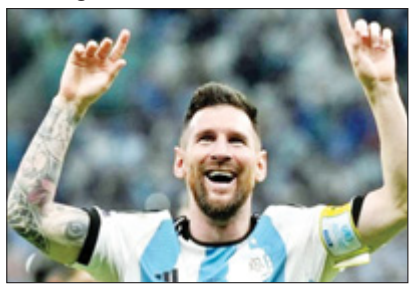

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास की घोषणा के कुछ सप्ताह बाद दिग्गज खिलाड़ी लियोनेल मेसी को अक्टूबर में होने वाले मैत्री मुकाबलों के लिए अर्जेंटीना की टीम में शामिल किया गया है। अर्जेंटीना फुटबाल संघ के अध्यक्ष क्लाउडियो तापिया ने पुष्टि की है कि मेसी को राष्ट्रीय टीम के लिए विदाई मुकाबला खेलने का निमंत्रण दिया गया है। तापिया ने सोशल मीडिया पर कहा, हमने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, अपनी टीम के आइकन और कप्तान लियोनेल मेसी को छह अक्टूबर को अर्जेंटीना में अपनी टीम के लिए एक योग्य विदाई के लिए खेलने का निमंत्रण दिया है। अर्जेंटीना अक्टूबर के अंतरराष्ट्रीय विंडो के दौरान तीन घरेलू मैत्री मुकाबले खेलेगा। मेसी के छह अक्टूबर को ब्यूनस आयर्स में बेनिन के खिलाफ होने वाले मुकाबले में खेलने की उम्मीद है। इससे पहले अर्जेंटीना 30 सितंबर को कार्डोबा में बोलीविया और तीन अक्टूबर को ब्यूनस आयर्स में बुर्किना फासो का सामना करेगा। मेसी ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास की घोषणा की थी। ऐसे में छह अक्टूबर का मुकाबला उनके लिए राष्ट्रीय टीम की जर्सी में विदाई का अवसर बन सकता है। अर्जेंटीना की टीम में लिएंड्रो पेरेदेस, नाहुएल मोलिना और थियागो अल्माडा शामिल नहीं होंगे।

दीपेंद्र सिंह ऐरी के नाम टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज अर्धशतक, तोड़ना है बेहद मुश्किल

नई दिल्ली। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड आज भी एक ऐसे बल्लेबाज के नाम दर्ज है, जिसे तोड़ना वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा जैसे विस्फोटक खिलाड़ियों के लिए भी बेहद मुश्किल साबित हो सकता है। यह रिकार्ड नेपाल के धुरंधर खिलाड़ी दीपेंद्र सिंह ऐरी के नाम है, जिन्होंने 27 सितंबर, 2023 को मंगोलिया के खिलाफ सिर्फ 9 गेंदों में अर्धशतक जड़कर इतिहास रचा था। वह दुनिया के एकमात्र बल्लेबाज हैं, जिन्होंने 10 या इससे कम गेंदों में फिफ्टी पूरी की है। उस मैच को नेपाल ने 273 रनों के विशाल अंतर से जीता था, जहां दीपेंद्र की यह पारी एक महत्वपूर्ण आकर्षण रही थी। इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर भारतीय क्रिकेट के दिग्गज युवराज सिंह हैं, जिन्होंने 2007 में इंग्लैंड के खिलाफ 12 गेंदों में अर्धशतक लगाया था, जो लंबे समय तक एक विश्व रिकार्ड रहा था। उनके अलावा, आस्ट्रिया के अबदुल्लाह कोटवा भी 12 गेंदों में अर्धशतक जड़कर इस खास क्लब में शामिल हैं। हाल के समय में, भारतीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए क्रिकेट जगत में मशहूर हुए हैं। उन्होंने इसी साल जिम्बाब्वे दौरे पर 18 गेंदों में अर्धशतक जड़ा था, जो उनका टी20 इंटरनेशनल में अब तक का सबसे तेज अर्धशतक है। हालांकि, उन्हें अभी गिनती के मैच खेले हैं और उनसे भविष्य में कई बड़े रिकार्ड तोड़ने की उम्मीद है। वैभव अभी टीम इंडिया के साथ दिल्ली में अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की टी20 सीरीज का हिस्सा हैं, हालांकि उन्हें पहले मैच में प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिल पाई थी।

भारत का एशिया कप में अभूतपूर्व दबदबा, पुरुष और महिला टीमों ने मिलकर जीती 17 ट्राफियां

नई दिल्ली। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय क्रिकेट का दबदबा सिर्फ पुरुष टीम तक ही सीमित नहीं है, बल्कि महिला टीम ने भी लगातार शानदार प्रदर्शन कर इसे और मजबूत किया है। हाल ही में 2026 में आठवीं बार महिला एशिया कप का खिताब अपने नाम करने के बाद, अगर पुरुष और महिला दोनों टीमों के एशिया कप खिताबों को एक साथ जोड़ा जाए, तो भारत के नाम कुल 17 ट्राफियां हो चुकी हैं। यह आंकड़ा बाकी सभी टीमों से काफी आगे निकल गया है और भारतीय क्रिकेट की शक्ति को दर्शाता है। पुरुष एशिया कप की बात करें तो भारत इस टूर्नामेंट का सबसे सफल देश है। भारतीय पुरुष टीम ने अब तक 9 बार एशिया कप का खिताब जीता है, जिसमें वनडे और टी20 दोनों फार्मेट की जीत शामिल हैं। श्रीलंका 6 खिताब के साथ दूसरे नंबर पर है, जबकि पाकिस्तान ने अब तक 2 बार यह प्रतिष्ठित ट्राफी जीती है। महिला क्रिकेट में भी भारत का रिकार्ड बेहद मजबूत है। 2026 के फाइनल में भारत ने श्रीलंका को 72 रन से हराकर आठवीं बार महिला एशिया कप का खिताब जीता। इस शानदार जीत के साथ भारत ने अपने महिला एशिया कप खिताबों की संख्या 8 कर ली। महिला एशिया कप में भारत के बाद श्रीलंका और बांग्लादेश का नंबर आता है, जिन्होंने 1-1 बार यह खिताब जीता है।

एशियाई खेल 2026 : इन खेलों में भारत को मिल सकते हैं सबसे ज्यादा पदक, एथलेटिक्स दल से काफी उम्मीदें

नई दिल्ली

एशियन गेम्स 2026 की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। 19 सितंबर से जापान के आइची-नागोया में भारत के 503 खिलाड़ी पदक के लिए जोर लगाते हुए नजर आएंगे। भारत इस बार कुल 35 खेलों में हिस्सा लेने वाला है। हालांकि, कुछ खेल ऐसे हैं जिनमें देश को मेडल जीतने की पूरी संभावना है।

एथलेटिक्स: एशियन गेम्स के इतिहास में भारत ने सबसे ज्यादा मेडल एथलेटिक्स में हासिल किए हैं। इस खेल में भारत ने एशियन गेम्स के 19 संस्करण में अब तक कुल 85 स्वर्ण, 102 रजत और 96 कांस्य समेत कुल 283 मेडल जीते हैं। नीरज चोपड़ा की गैरमौजूदगी के बावजूद, इस खेल में भारत को मुरली श्रीशंकर, गुलवीर सिंह, अविनाश साबले, तजिंदरपाल सिंह, पारुल चौधरी, राजेश रमेश और रोहित यादव से मेडल की उम्मीद होगी।

निशानेबाजी: एथलेटिक्स के बाद एशियन गेम्स के इतिहास में भारत को सबसे ज्यादा कामयाबी इसी खेल में मिली है। भारतीय खिलाड़ी हर बार की तरह इस बार भी निशानेबाजी में देश को ज्यादा से ज्यादा मेडल दिलाने का प्रयास करेंगे। निशानेबाजी में भारत ने अब तक कुल 80 मेडल जीते हैं, जिसमें 16 स्वर्ण, 30 रजत और 34 कांस्य पदक शामिल हैं। पिछले एशियन गेम्स में निशानेबाजी में भारत ने कुल 22 मेडल जीते थे। इस खेल में मनु भाकर को भारत की सबसे बड़ी उम्मीद माना जा रहा था। मनु के अलावा, ईशा सिंह, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, आशी चौकसे, सुरुचि से भी मेडल की आस होगी।

कुश्ती: भारत को कुश्ती से भी एशियन गेम्स 2026 में कई मेडल की उम्मीद होगी। कामनवेल्थ गेम्स 2026 में रेसलिंग के खेल को शामिल नहीं किया था, ऐसे में भारतीय पहलवान एशियन गेम्स में दमदार प्रदर्शन करने को बेकरार होंगे। एशियन गेम्स के इतिहास में भारत ने इस खेल में अब तक कुल 65 पदक जीते हैं, जिसमें 11 स्वर्ण, 15 रजत और 39 कांस्य पदक शामिल रहे हैं। अमन सहरावत, अंतिम पंघाल, दीपक पूनिया, मनीषा, सुजीत कलकल इस खेल में देश के लिए मेडल लाने की सबसे बड़ी उम्मीद होंगे।

मुक्केबाजी: कामनवेल्थ गेम्स 2026 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए भारतीय मुक्केबाजों ने एशियन गेम्स 2026 के लिए नई उम्मीद जगा दी है।

नितीश रेड्डी की घातक गेंदबाजी के बाद संजू सैमसन का तूफानी अर्धशतक, भारत ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया

नई दिल्ली। नितीश कुमार रेड्डी की शानदार गेंदबाजी और संजू सैमसन की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर भारत ने अफगानिस्तान को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में 7 विकेट से हरा दिया। नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अफगानिस्तान की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 159 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में भारत ने 14.5 ओवर में 3 विकेट खोकर 163 रन बनाते हुए जीत दर्ज की और तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। भारत ने टास जीतकर अफगानिस्तान को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। अफगानिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज 3 गेंद खेलने के बाद बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इसके बाद इब्राहिम जादरान ने 33 गेंदों पर 37 रन बनाए, जिसमें 6 चौके शामिल रहे। सेदिकुल्लाह अटल ने 15 गेंदों पर 12 और गुलबदीन नायब ने 8 गेंदों पर 10 रन का योगदान दिया। मध्यक्रम में दरविश रसूली ने 15 गेंदों पर 26 रन और मोहम्मद नबी ने 14 गेंदों पर 20 रन बनाए। कप्तान राशिद खान ने 16 गेंदों पर 28 रन की तेजतर्रार पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 3 चौके और एक छक्का लगाया। अंत में नूर अहमद 7 और मुजीब उर रहमान 4 रन बनाकर नाबाद रहे। इस तरह अफगानिस्तान की टीम निर्धारित पारी में 159 रन ही बना सकी। भारत की ओर से नितीश कुमार रेड्डी सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 3 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट झटके। नितीश ने इब्राहिम जादरान, गुलबदीन नायब और राशिद खान को अपना शिकार बनाया। अर्शदीप सिंह ने 4 ओवर में 35 रन देकर 2 विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई को एक-एक सफलता मिली। बुमराह ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 25 रन दिए। 160 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने पहले विकेट के लिए 51 गेंदों पर 88 रन की शानदार साझेदारी की। संजू सैमसन ने महज 22 गेंदों पर 57 रन की विस्फोटक पारी खेली। उन्होंने 7 चौके और 4 छक्के लगाए। अभिषेक शर्मा ने भी 19 गेंदों पर 39 रन बनाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई।

जेम्स रोड्रिगेज ने कोलंबिया की राष्ट्रीय टीम से संन्यास लिया

बोगोटा

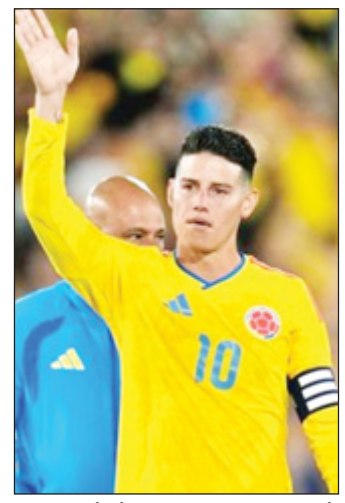

कोलंबिया के स्टार मिडफील्डर जेम्स रोड्रिगेज ने 15 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर के बाद राष्ट्रीय टीम से संन्यास की घोषणा कर दी। 35 वर्षीय रोड्रिगेज ने उत्तरी अमेरिका में हुए हालिया फीफा विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबाल को अलविदा कहने का फैसला किया।

रोड्रिगेज ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, कई वर्षों, मैचों, खुशी के पलों और मुश्किल दौर से गुजरने के बाद मुझे लगता है कि अब अपनी जिंदगी के एक अध्याय को बंद करने का समय आ गया है—कोलंबिया की राष्ट्रीय टीम के साथ मेरा सफर। इस जर्सी को पहनना एक सपना था, लेकिन यह एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी भी थी।

रोड्रिगेज ने 2011 में ला पाज में बोलीविया के खिलाफ जीत के दौरान कोलंबिया के लिए पदार्पण किया था। हालांकि 2014 फीफा विश्व कप में उनके शानदार प्रदर्शन ने उन्हें वैश्विक पहचान दिलाई। उन्होंने टूर्नामेंट में गोल्डन बूट जीता और इसके बाद स्पेन के दिग्गज क्लब रियल मैड्रिड से जुड़ गए। रियल मैड्रिड के साथ उन्होंने दो ला लीगा खिताब जीते। इसके अलावा वह बायर्न म्यूनिख और एवर्टन के लिए भी खेल चुके हैं।

उन्होंने कहा, मैं उन पलों को जीने के लिए भाग्यशाली रहा, जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी—विश्व कप, गोल और अविस्मरणीय रातें; ऐसी जीत जिन्होंने हमें विश्वास करना सिखाया और ऐसी हार जिन्होंने हमें मजबूत बनाया।

रोड्रिगेज ने कहा, जब मैंने राष्ट्रीय टीम के साथ सफर शुरू किया था, तब मेरी इच्छा थी कि जब मैं आगे बढ़ूं तो टीम की जर्सी को पहले से अधिक मजबूत स्थिति में छोड़कर जाऊं। पीछे मुड़कर देखता हूं तो मुझे लगता है कि मैंने यह हासिल किया।

उन्होंने आगे कहा, मुझे नंबर 10 की जर्सी और कप्तान का आर्मबैंड पहनने का सम्मान मिला। मैंने इसे सम्मान, जिम्मेदारी और इस बात की समझ के साथ निभाने की कोशिश की कि कोलंबिया का प्रतिनिधित्व करने का क्या मतलब है। मेरे अच्छे दिन भी रहे और मुश्किल दिन भी, लेकिन मुझे इन रंगों पर गर्व महसूस होना कभी बंद नहीं हुआ।

पिछले कुछ वर्षों में रोड्रिगेज ने कई क्लबों का रुख किया। उन्होंने ओलंपियाकोस, साओ पाउलो, रायो वालेकानो, क्लब लियोन और मिनेसोटा यूनाइटेड के लिए भी खेला। मौजूदा सत्र से पहले वह कोलंबिया के क्लब एटलेटिको नैशनल से जुड़े थे।

अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कहते हुए रोड्रिगेज ने कहा, मैं पूरी शांति के साथ जा रहा हूं, क्योंकि मुझे पता है कि मैंने अपना सब कुछ दिया। हर याद, हर गले मिलने और हर पल के लिए धन्यवाद।

30 की उम्र में गजब की फिट, जानें स्मृति मंधाना का फिटनेस रूटीन

नई दिल्ली। भारतीय महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की उप-कप्तान और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर स्मृति मंधाना न केवल अपनी शानदार बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं, बल्कि उनकी लाजवाब फिटनेस भी हमेशा चर्चा में रहती है। महज 30 साल की उम्र में अपनी गजब की फिटनेस के पीछे कोई जटिल डाइट या अत्यधिक मेहनत नहीं, बल्कि एक अनुशासित और सरल रूटीन है। स्मृति मंधाना घर का बना सिंपल खाना पसंद करती हैं और वह पूरी तरह से वेजिटेरियन हैं, खासकर लैक्टो-ओवो-वेजिटेरियन डाइट फालो करती हैं, जिसमें अनाज, फल, सब्जियां, डेयरी प्रोडक्ट्स और अंडा शामिल होते हैं, लेकिन मीट-चिकन से दूरी बनाए रखती हैं। प्रोटीन की कमी पूरी करने के लिए वह प्रोटीन शेक और अंडे का सेवन करती हैं, साथ ही खुद को हाइड्रेट रखने के लिए खूब पानी और नारियल पानी भी पीती हैं। स्मृति का मानना है कि शरीर की क्षमता बढ़ाने के लिए वर्कआउट में विविधता बेहद जरूरी है। वह हफ्ते में 6 दिन वर्कआउट करती हैं, जिसमें हर दिन कुछ अलग सेशन शामिल होता है। पैरों की मजबूती के लिए वह रोजाना रनिंग करती हैं और मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए स्क्वाट्स, डेडलिफ्ट्स, लंजेस और पुल-अप्स जैसे व्यायाम करती हैं।

एशियाई खेल 2026 : जापान पहुंची भारतीय महिला क्रिकेट टीम, कोच मजूमदार ने चुनौती को लेकर जताई उत्सुकता

टोक्यो

हाल ही में टी20 एशिया कप का खिताब जीतने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम एशियाई खेल 2026 में अपने अभियान के लिए जापान पहुंच गई है। गत चैंपियन भारतीय टीम की नजरें हांगझोउ में 2023 में जीते स्वर्ण पदक का बचाव करने पर हैं। मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि टीम बहु-खेल आयोजन के माहौल का अनुभव लेने के लिए उत्साहित है।

जापान पहुंचने के बाद मजूमदार ने कहा, टीम एशियाई खेलों को लेकर उत्साहित है और बहु-खेल आयोजन के माहौल का आनंद लेने के लिए तैयार है।

मजूमदार अपने सहयोगी स्टाफ के कुछ सदस्यों के साथ सुबह की उड़ान से जापान पहुंचे। क्रांति गौड़ और श्री चरणी सहित टीम की कुछ खिलाड़ी कोचिंग स्टाफ के साथ जापान पहुंचीं, जबकि टीम की बाकी सदस्य दिन में बाद में पहुंचने वाली थीं।

मजूमदार ने कहा कि अलग-अलग खेलों के खिलाड़ियों के साथ रहना, गेम्स विलेज में समय बिताना और बहु-खेल मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करना खिलाड़ियों के लिए एक अलग अनुभव होगा। उन्होंने कहा, बहु-खेल आयोजन का माहौल ऐसी चीज है, जिसका टीम बेसब्री से इंतजार कर रही है। हम चाहते हैं कि खिलाड़ी इस अनुभव का भी आनंद लें। उन्होंने यह भी बताया कि टीम को आवास को लेकर कोई परेशानी नहीं है।

शानदार फार्म के साथ उतरेगी भारतीय टीम - भारतीय टीम हाल के मुकाबलों में शानदार फार्म में रही है और इस दौरान श्री चरणी ने गेंदबाजी में अहम भूमिका निभाई है। 22 वर्षीय बाएं हाथ की स्पिनर ने टी20 एशिया कप में 12 विकेट लेकर प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

श्री चरणी ने लगातार अच्छे प्रदर्शन के दम पर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में केवल 30 मैचों में 50 विकेट का आंकड़ा भी पार कर लिया है।

एशियाई खेलों में भारत को उनकी फार्म से काफी उम्मीदें रहेंगी।

भारत अपने अभियान की शुरुआत 18 सितंबर को मेजबान जापान के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले से करेगा। यह मैच निसिन के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेला जाएगा। एशियाई खेलों की महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में केवल आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं और मुकाबले सीधे क्वार्टर फाइनल चरण से शुरू होंगे। ऐसे में भारतीय टीम के पास शुरुआत में लय हासिल करने के लिए ज्यादा अवसर नहीं होंगे।

एशियन गेम्स से बाहर होने के बाद ड्रेसाज चैंपियन अनुष अग्रवाला का छलका दर्द, चयन प्रक्रिया पर उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली

भारत के ड्रेसाज राइडर और 2022 हांगझोउ एशियन गेम्स के ऐतिहासिक गोल्ड मेडलिस्ट अनुष अग्रवाला ने 2026 एशियन गेम्स के लिए चयन प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। टीम में जगह नहीं मिलने के बाद 25 वर्षीय अनुष ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए इसे खेल में मिली हार के बजाय विश्वासघात जैसा बताया है।

अनुष, जिन्होंने 2022 में टीम गोल्ड और व्यक्तिगत ब्रान्ज मेडल जीता था और 2024 पेरिस ओलंपिक में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है, अब आगामी एशियन गेम्स में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। अनुष को जून में इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन आफ इंडिया (ईएमआई) की एडहाक कमेटी द्वारा पहली रिजर्व खिलाड़ी के रूप में चुना गया था, लेकिन अंतिम चार सदस्यीय टीम में उन्हें जगह नहीं मिली। इस पर उन्होंने अपनी नाराजगी सार्वजनिक करते हुए कहा, मैं इसलिए गहराई से आहत हूं क्योंकि मैं प्रतियोगिता में हारा नहीं, बल्कि मुझे प्रतियोगिता करने का मौका ही नहीं दिया गया।

उन्होंने आगे कहा कि यह हार से कम और विश्वासघात जैसा ज्यादा महसूस हो रहा है। उनका मानना है कि वह मैदान पर हार स्वीकार कर सकते हैं, पर बिना मौका मिले बाहर होना कष्टप्रद है।

जर्मनी में लंबे समय तक ट्रेनिंग करने वाले अनुष ने इस चयन के खिलाफ साथी रिजर्व खिलाड़ी सुदीप्ति हजेला के साथ दिल्ली हाई कोर्ट का रुख भी किया था। हालांकि, अदालत ने उनकी याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि चयन प्रक्रिया निर्धारित मानदंडों के अनुसार हुई थी और इसमें मनमानी या पक्षपात नहीं मिला। इसके बाद अनुष ने ईएफआई, भारतीय ओलंपिक संघ और खेल मंत्रालय से चयन की समीक्षा करने की मांग की, लेकिन उन्हें कोई ठोस या संतोषजनक प्रतिक्रिया नहीं मिली। अनुष ने भारत में खिलाड़ियों के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी चयन व्यवस्था की मांग की है, ताकि खिलाड़ियों के वर्षों के परिश्रम का सम्मान हो और भविष्य में किसी अन्य एथलीट को ऐसी स्थिति से न गुजरना पड़े। एशियन गेम्स से बाहर होने के बावजूद अनुष ने देश का प्रतिनिधित्व करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

उन्होंने बताया कि वह आखिरी क्षण तक लड़ते रहे और अब परिणाम को स्वीकार कर चुके हैं, लेकिन चयन प्रक्रिया को लेकर उनकी आपत्ति कायम है। अनुष ने कहा कि उन्हें ट्रेनिंग से थोड़े ब्रेक की जरूरत है, हालांकि वह जल्द वापसी करेंगे, क्योंकि ओलंपिक उनका अगला बड़ा लक्ष्य है। एशियन गेम्स 2026 इसी सप्ताह के अंत में शुरू होने वाले हैं, और अनुष की अनुपस्थिति भारतीय ड्रेसाज टीम के लिए एक बड़ा झटका मानी जा रही है।